नईदुनिया

सर्राफा बाजार में कमजोरी के रुख से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

लगातार तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में 160 रुपये से लेकर 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 500 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 81,260 रुपये से लेकर 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,500 रुपये से लेकर 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आई कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 81,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बाजारों में ब्रांडेड खाद्य तेलों में मिलावट

मुंबई। नामी गिरामी ब्रांडेड कंपनियां खाद्य तेलों में मिलावट करके खुलेआम मिलावटी तेल बेच रही हैं। खाद्य तेलों में बड़े पैमाने पर ब्रान आयल मिलाया जा रहा है। इसे उपभोक्ताओं को महंगे दामों में बेचा जा रहा है। धान की भूसी का तेल सबसे ज्यादा खाद्य तेल में मिलाकर, ब्रांडेड कंपनियों ब्रांड के नाम से महंगे दामों पर बेच रही हैं। सरसों, सोयाबीन और मूंगफली के तेल से ब्रान ऑयल 40 से लेकर 60 रुपए प्रति लीटर तक सस्ता होता है। सरकार ने ब्लेंडिंग कानून में बड़ी कंपनियों के लिए बदलाव कर दिए हैं। इसका फायदा बड़ी-बड़ी कंपनियां उठा रही हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां अंग्रेजी में लेवल छपवाती हैं। उसमें बहुत छोटे अक्षरों में मल्टी सोर्स आयल लिखा रहता है। जो उपभोक्ता ब्रांडेड सोयाबीन, सरसों और मूंगफली का तेल खरीदता है। उसे मालूम ही नहीं होता है, वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। वह भी महंगे दामों पर खरीद रहा है। केंद्र सरकार ने 3 फरवरी 2023 को तेल के ब्लेंडिंग कानून में बदलाव किए हैं। नए बदलाव के अनुसार अब कंपनियों को 20 फीसदी तक दूसरे तेल की मिलावट करने की अनुमति दी गई है। ब्रांडेड कंपनियों द्वारा जो सरसों, मूंगफली और सोयाबीन का तेल बेचा जा रहा है। उसमें सबसे सस्ता धान की भूसी का तेल मिलाया जा रहा है। इससे ब्रांडेड कंपनियों को बड़ी कमाई हो रही हैं। वहीं उपभोक्ताओं को खुले आम बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा लूटा जा रहा है। उपभोक्ता को पता नही होता है। वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। बड़ी कंपनियां अपने फायदे के लिए सरकार के नियमों में परिवर्तन कराकर करोड़ों रुपए कमा रही हैं। अन ब्रांडेड तेल बेचने वालों के लिए मिलावट के अलग कानून हैं। सरकार ने ब्रांडेड कंपनियों के लिए अलग कानून बना दिया है। ब्रांडेड कंपनियां तेल में किस तेल की कितनी मिलावट कर रही हैं। इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को नहीं देती है। उनके लेवल भी अंग्रेजी भाषा में होते हैं। मल्टी सोर्स ऑयल भी बहुत छोटे अक्षरों में लिखा रहता है। यह लूट पिछले कुछ समय से बढ़ती ही चली जा रही है। सरकार इस लूट पर आंख बंद करके बैठी हुई है।

दावोस में दिखेगी भारत की विविधता में एकता की झलक

दावोस। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की शुरुआती बैठक में भारत ने 'विविधता में एकता' का संदेश दिखाया।

सोमवार से पांच दिन तक चलने वाली इस महामहिम सभा में भारत ने अपना सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की सफलता को दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर नेताओं को दिखाने का भारत का मिशन है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पांच केंद्रीय मंत्रियों के साथ तीन मुख्यमंत्री, करीब 100 सीईओ, सरकारी अधिकारी और कला-संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का समावेश है। भारत के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। बैठक में महाराष्ट्र ने 7 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने का लक्ष्य रखा है। तेलंगाना और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी निवेश के अपने हिस्से की तलाश की है। इस महामहिम सभा के माध्यम से भारत अपनी मजबूत वृद्धि दर्ज करने का मिशन ले रहा है, जब दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों के सर्वे अनुसार 2025 में वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बारे में कमजोर होने की चिंता है। हालांकि, भारत ने अपने रफ्तार को बनाए रखने की पहल रखी है।

अगर आपको भी है गेमिंग ऐप की लत तो हो जाएं सावधान

जम्मू । जम्मू के साइबर सेल डी.पी.ओ. ने ऑनलाइन और ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के

मामलों के खिलाफ लड़ाई में नए कदम उठाए हैं। उनकी टीम ने लगातार काम करके आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया है। इस समय साइबर सेल ने कई मामलों को सुलझाते हुए धोखाधड़ी से बरामद की गई राशि का आंकलन किया है। इन मामलों में लगभग 7 लाख रुपये की राशि बरामद की गई है। शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पर ट्रेडिंग और नकली गेमिंग एप के माध्यम से धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज की थी। साइबर सेल जम्मू के एक प्रतिनिधि ने बताया कि वे उन्हें किस तरह कर्मचारियों और तकनीकी उपकरणों के माध्यम से धोखाधड़ी के मामलों में सफलतापूर्वक इन्वेस्टिगेशन करने में मदद मिल रही है। जम्मू साइबर सेल ने धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई है और धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों में कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार साइबर सैल ने एक बार फिर अलग-अलग साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 6,90,460 की राशि सफलतापूर्वक बरामद की है।

आम बजट में आरएंडडी के प्रोत्साहन के लिए नई योजना की घोषणा

नई योजना से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा

नई दिल्ली

आम बजट 2025-26 में भारत में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन पीएलआई) योजना की घोषणा की गई है। इस नई योजना के माध्यम से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा, जिससे देश को नवोन्मेषण का वैश्विक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। पीएलआई योजना के बारे में बात करते हुए डेलायट इंडिया के एक भागीदार ने इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी नीति पर काम कर रही है जिसमें कर रियायतें कम हों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजनाएं हों, जो निवेश और रोजगार को बढ़ावा दें। हमें भारत को अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है और यदि ऐसी नीति हो सकती है जो इसे प्रोत्साहित करे, जैसे कि विदेशी कंपनियों को शामिल करने वाली पीएलआई योजना, तो यह देश के लिए बड़ा कदम होगा। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नयी योजना में विदेशी कंपनियों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ हो सकती हैं, जो देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा दें। भारत एक सेवा आधारित अर्थव्यवस्था है और अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है। सरकार की इस नई योजना से आर्थिक उत्थान को लेकर नए किरदार की उम्मीदें हैं और देश को नए दिशानिर्देश में ले जाने की उम्मीद है।

छह माह की चुनौतियों के बाद रिलायंस ने फिर पकड़ी वृद्धि की राह: ब्रोकरेज कंपनियां

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) छह महीने की चुनौतियों के बाद एक बार फिर वृद्धि के पथ पर लौट आई है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए हैं। एक ब्रोकरेज कंपनियों ने यह बात कही है। कच्चे तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में कार्यरत समूह ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपनी सबसे ऊंची 43,800 करोड़ रुपये की कर-पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) दर्ज की है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिएइन आंकड़ों से पता चलता है कि समूह ने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन किया है। मुख्य रूप से कंपनी ने तेल-से-रसायन (ओ2सी) क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा कंपनी के उपभोक्ता खुदरा कारोबार में भी सुधार हुआ है। कंपनी विनाइल, पॉलिएस्टर श्रृंखला और ईथेन आयात लॉजिस्टिक्स में निवेश के साथ घरेलू बाजार पर केंद्रित अपनी रसायन क्षमता का विस्तार करना चाहती है। एक रिसर्च कंपनी ने कहा कि उसे 2025 में समूह के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कई उत्प्रेरक दिख रहे हैं। इसमें खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नई ऊर्जा की शुरुआत और डिजिटल कारोबार में नई गति शामिल है। इसने कहा कि हमारा मानना है कि तीसरी तिमाही का नतीजा उम्मीदों के अनुरूप रहा है। यह निकट अवधि में उम्मीद से थोड़ा कमतर नतीजों में आखिरी है। अब हमारा मानना है कि खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नए ऊर्जा कारोबार की शुरुआत और डिजिटल कारोबार की रफ्तार समूह के लिए उत्प्रेरक साबित होंगे।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ

मुंबई

मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा

घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे। इन 5 कंपनियों में 4 एसएमई सेगमेंट और 1 मेनबोर्ड आईपीओ शामिल है। मेनबोर्ड में इस हफ्ते डेंटा वाटर का आईपीओ खुल रहा है। यह मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 279 रुपए से 290 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है।

इस आईपीओ के लिए 50 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 14,700 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें कंपनी ग्रे मार्केट में 110 रुपए के जीएमपी पर ट्रेड कर रही है। कंपनी के आईपीओ का साइज 169.37 करोड़ रुपए का है।

इस आईपीओ के जरिए कंपनी 32.20 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं 32.20 लाख शेयर ऑफर फाल सेल के तहत जारी किए जाएंगे। कंपनी के आईपीओ का 20 जनवरी को खुल रहा है। आईपीओ पर निवेशकों के पास 22 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा।

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 250 रुपए से 263 रुपए तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी 110 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। कंपनी का आईपीओ 22 जनवरी को खुल जाएगा।

निवेशकों के पास 24 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 145 रुपए है। कंपनी ने 1000 शेयरों का लॉट बनाया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 145000 रुपए का दांव लगाना होगा।

आईपीओ 23 जनवरी को खुल जाएगा। निवेशक 27 जनवरी तक दांव लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 235 रुपए से 250 रुपए प्रति शेयर तय किया है। वहीं लॉट साइज 600 शेयरों का है। निवेशकों को एक साल 1.50 लाख रुपए का निवेश करना होगा। यह एसएमई आईपीओ 24 जनवरी को खुलेगा। निवेशक 28 जनवरी तक आईपीओ पर दांव लगा पाएंगे। कंपनी ने अभी प्राइस बैंड की घोषणा नहीं की है। आईपीओ के जरिए 24.58 लाख शेयर जारी किए जा सकते हैं।

सीएनजी स्कूटर

टीवीएस ने पेश किया भारत का पहला सीएनजी स्कूटर ।

आठ शहरों में घरों की बिक्री में 26 फीसदी की गिरावट: रिपोर्ट

बिक्री में गिरावट महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतों से आई

मुंबई

मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु समेत देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। बताया जा रहा है कि बिक्री में गिरावट महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतों की वजह से आई है। एक रियल एस्टेट परामर्श मंच की हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस विश्लेषण में शामिल आठ में से तीन शहर महाराष्ट्र और हरियाणा में स्थित हैं जहां पर बीती तिमाही में विधानसभा के चुनाव हुए। हालांकि दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सालाना आधार पर बाकी सभी सात शहरों शहरों में घरों की बिक्री में गिरावट आई है। दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर तिमाही में घरों की बिक्री 50 प्रतिशत बढ़कर 9,808 इकाई रही जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 6,528 था। बीते वर्ष की चौथी तिमाही में नई परियोजनाएं पेश करने में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। आठ में से पांच शहरों में पिछली तिमाही के दौरान पेश नई परियोजनाओं की संख्या घटी है। संपत्तियों की खरीद-बिक्री या किराये पर लेन-देन की जानकारी देने वाले मंच के एक अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर में त्योहारों के दौरान बिक्री में तिमाही आधार पर वृद्धि हुई। इसके बाद भी अधिकांश क्षेत्रों में बिक्री और नई पेशकश में पिछले साल के मुकाबले गिरावट देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्षेत्र (एमएमआर) में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,617 घरों की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 48,553 घरों की बिक्री हुई थी।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, एफपीआई के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी

मुंबई

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद की घोषणाओं और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। ट्रंप सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। सप्ताह के दौरान भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डॉ रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सहित कई बड़ी कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के बीच का संघर्ष भी बाजार की जटिलता को और बढ़ा रहा है।

बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि जैसे-जैसे तिमाही नतीजों का सीजन आगे बढ़ेगा, निवेशकों का ध्यान आगामी केंद्रीय बजट पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो साल के लिए सरकार के आर्थिक और राजकोषीय रुख की रूपरेखा तैयार करेगा। बाजार प्रतिभागी नीतिगत उपायों, राजकोषीय आवंटन और विकास पहल पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर सभी की नजरें डोनाल्ड ट्रंप पर हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। एक बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि तीसरी तिमाही के लिए नतीजों का सिलसिला जारी है। ऐसे में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। निवेशकों की नजरें कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद नीतिगत घोषणाएं वैश्विक स्तर पर बाजार धारणा को काफी प्रभावित करेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आगे हम उम्मीद करते हैं कि इस सप्ताह बाजार कई घरेलू और वैश्विक कारकों के कारण सतर्क रुख बनाए रखेगा।

देश की पहली सोलर कार लॉन्च, सिर्फ 80 पैसे में 1 किमी दौड़ेगी

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में नए इनोवेशन की ओर बड़े कदम बढ़ रहे हैं। हाल ही में पुणे की बेस्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल स्टार्ट-अप कंपनी वेव मोबिलिटी ने देश की पहली सोलर पावर्ड कार वायवे ईवा को लॉन्च किया है। यह कार केवल 3.25 लाख रुपए में उपलब्ध है और कंपनी का दावा है कि यह 250 किमी की ड्राइविंग रेंज के सिंगल चार्ज पर प्रदर्शन कर सकती है। वायवे ईवा का डिजाइन भी विशेष है, जिसमें सोलर पैनल को सनरूफ पर इस्तेमाल किया गया है। कार में अंदर कंफर्ट और एंटरटेनमेंट के लिए एसी, एपल कारप्ले, और एंड्रॉयड ऑटो कनेक्टिविटी सिस्टम भी शामिल हैं। इसकी टॉप स्पीड 70 प्रति किमी है और फुल चार्ज होने में सिर्फ 45 मिनट लगते हैं। पर्यावरण को देखते हुए सोलर पावरड व्हीकल्स का उपयोग करने में यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में सोलर कारों की एंट्री से मोटर व्यावसाय में गहरा तबदला देखने के अवसर हैं, जिससे न केवल इंडस्ट्री में विकास होगा बल्कि पर्यावरण की भी ध्यान में रखा जा सकेगा ।